ज़माना मतलब दा

ज़माना मतलब दा

एथे कौन किसे दा यार, ज़माना मतलब दा
कर श्याम सुंदर नाल प्यार, ज़माना मतलब दा

1. एह जग झूठा झूठी माया, दिन दिन ढलदी जावे काया
   मेरा ठाकुर सदा बहार, ज़माना मतलब दा

2. दुनियादारी रिश्तेदारी, नई चंगी थां थां दी यारी
   बस इक नू बना लै यार, ज़माना मतलब दा

3. मूल ब्याज दा चक्कर माड़ा, पा देंदा यारी विच पाड़ा
   छुट जान दिलेदार, ज़माना मतलब दा

4. तन मन तों बस उसदा होजा, प्यार ओहदे विच पूरा खोजा
   दे जिन्दड़ी उस तों वार, ज़माना मतलब दा

5. कहे "मधुप" शुभ कर्म कमा लै, जो मंगना ठाकुर तों पा लै
   मेरा ठाकुर देवनहार, ज़माना मतलब दा

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण 'मधुप' (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)
स्वर : सर्व मोहन (टीनू सिंह)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34413/title/zamana-matlab-da

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |